निगम ने हरा झंडा दिखाकर प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए इशारा किया। खास बात यह सहित 35 प्रतिभागियों ने अपनी स्केटिंग प्रतिभा का परिचय देकर खेल के गुर दिखाए।

दैनिक भास्कर
ग्वालियर, सोमवार, 27 दिसंबर, 2021

मुख्य अतिथि के जेश सिंह चंदेल ने

उतरी कोटा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 126 रन

पहल • कक्षा 9-12 तक के विद्यार्थियों के लिए 3 जनवरी से आयोजित होंगी कक्षाएं

जिले के पांच स्कूलों में शुरू होंगी आनंदम कक्षाएं, तनाव दूर करने यह प्रयोग अहम, इसलिए हुई इसकी शुरुआत

भास्कर संवाददाता | शिवपुरी

अब कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी तनाव रहित होकर आनंदम कोर्स कर जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। इससे पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाकर विद्यार्थी अपनी सीखने की क्षमता में वृद्धि कर सकते हैं। वही विभिन्न ट्रिक्स सीखकर वह जीवन में बदलाव भी ला सकते हैं। यह शुरुआत आनंदम संस्थान द्वारा की जा रही है और प्रथम चरण में जिले के 5 विद्यालयों का चयन आनंदम कक्षाओं के लिए चयनित किया गया है। नए साल में 3 जनवरी से यह कोर्स संचालित होंगी।

जिला आनंद संस्थान के डीपीएल प्रेम प्रकाश सिरोलिया ने बताया कि जिले के पांच विद्यालय शासकीय हाई स्कूल डेहरवारा, शा उ मा वि खरई (तेंदुआ) शा हाईस्कूल परिच्छा, शा हाईस्कूल सतनवाड़ा, शा उ मा वि सिरसोद चयनित किए गए है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा संचालित विविध कार्यक्रमों में से एक है आनंद सभा। जो कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जाता है। वर्तमान में शीतकालीन अवकाश शुरू होने के कारण 10 दिनों के लिए आनंद सभा स्थगित कर दी गई है। आगामी 3 जनवरी से चिह्नित विद्यालयों में चौथा चरण प्रारंभ किया जाएगा। आगे के चरणों में संकल्प की शक्ति, ध्यान की शक्ति, दृष्टिकोण का महत्व आदि महत्वपूर्ण विषयों पर आनंद सभा के सत्र आयोजित किए जाएंगे।

स्कूल में मौजूद छात्र-छात्राएं।

जिला आनंद संस्थान के डीपीएल प्रेम-प्रकाश सिरोलिया ने बताया कि जिले के पांच विद्यालय शासकीय हाई स्कूल डेहरवारा, शा खरई तेंदुआ, शा.हाईस्कूल परिच्छा, शा. हाईस्कूल सतनवाड़ा, शा.उ.मा.वि. सिरसौद चयनित कर इनमें डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर प्रेम प्रकाश सिरोलिया द्वारा नियमित रूप से आनंद सभा का संचालन किया जा रहा है। प्रति सप्ताह विद्यार्थी एक नए विषय से परिचित होते हैं। आनंद सभा की विशेषता यह है कि इसके माध्यम से जीवन उपयोगी कठिन विषयों को भी छात्र आसानी से आत्मसात कर लेते हैं। अब तक इन विद्यालयों में जो भी दे सको शीर्षक के अंतर्गत हम किस प्रकार से दूसरों की सहायता कर सकते हैं, क्षमा करने-क्षमा मांगने की शक्ति शीर्षक के अंतर्गत हम अपनी गलती के लिए कैसे बड़ों से क्षमा मांग कर तथा अपने साथियों को क्षमा करके अपने मन का बोझ हल्का कर सकते हैं। कृतज्ञता की शक्ति शीर्षक अंतर्गत हम कैसे परिवार, समाज तथा प्रकृति से निरंतर प्राप्त हो रही सहायता अथवा सुविधाओं के लिए इनके प्रति कृतज्ञ हो सकते हैं। इन विषयों पर आनंद सभाएं की गई।

खास बात यह है कि इन कठिन विषयों को कुछ गतिविधियों तथा कहानियों के माध्यम से एक संदेश के रूप में विद्यार्थियों को दिया जाता है, जिसे वह गतिविधियों में शामिल होकर स्वेच्छा से ग्रहण करते हैं। अब तक इन विषयों के साथ प्रत्येक चयनित विद्यालय में तीन चरण पूरे किए जा चुके हैं। और चौधरी चरण की तैयारी भी नए सिरे से शुरू कर दी है जो विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी होगी।